इंदौर, सोमवार, 28 सितंबर 2015

दबंग

जागरूकता

साइबर अपराध नियंत्रण पर पीआरटीएस की 123वीं कार्यशाला

साइबर अपराध के साथ ड्रग्स से दूर रहने की सीख

दबंग रिपोर्टर ■ इंदौर

आज सोशल साइट्स के उपयोग की बात हो या बीमा, बैंक, हवाई, बस, होटल एवं रेलवे टिकट, शासकीय एवं प्रशासकीय कार्य, सभी जगह इंटरनेट का उपयोग सामान्य बात है। साइबर तेजी से बढ़ने वाला अपराध भी है इसलिए इसके संचालन के दौरान ध्यान रखना जरूरी है। युवा ड्रग्स से भी दूर रहें।

उक्त बात पुलिस रेडियो ट्रेनिंग स्कूल (पीआरटीएस) के डायरेक्टर व आईजी वरुण कपूर ने एसकेआरबी गुजराती होम्योपैथी मेडिकल कॉलेज, हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर, एवं श्री रावजीभाई गोकलभाई पटेल गुजराती प्रोफेशनल इंस्टिट्यूट, इंदौर द्वारा संयुक्त रूप से साइबर अपराध नियंत्रण पर आयोजित कार्यशाला में कही। उन्होंने वर्तमान में सबसे बड़ी चुनौती बन चुके साइबर अपराध के विश्वभर में प्रभाव, उसे रोकने के सबसे अच्छे उपाय, काल्पनिक दुनिया में गतिविधि संचालित करने के सुरक्षित उपाय बताए व छोटे टिप्स दिए।

दो सक्रिय स्टूडेंट्स सम्मानित

आईजी कपूर ने कहा सोशल साइट्स पर अवांछित एमएमएस बनाकर प्रसारित किए जाते हैं। इसे नियंत्रित करने व इसके दुष्प्रभावों से बचने का सशक्त माध्यम है युवाओं, छात्रों व आम नागरिकों की जागरूकता। इस अवसर पर कपूर ने युवाओं को ड्रग्स के दुष्प्रभाव बताए और इसके सेवन से बचने की सलाह दी। द्वितीय सत्र में पुलिस अधीक्षक सुदीप गोयनका ने भी साइबर के सुरक्षित उपयोग के टिप्स दिए व आईटी एक्ट की जानकारी दी। कार्यशाला में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले दो सक्रिय छात्रों जफर हुसैन और हर्षिता गुर्जर को कपूर ने प्रमाण-पत्र व गोल्डन बैज प्रदान कर सम्मानित किया।

लालच में फंस जाते हैं लोग

उन्होंने कहा कि आज पूरे विश्व को मोबाइल व इंटरनेट ने आपस में जोड़ दिया है। नागरिकों को नित नए साइबर अपराधों का सामना करना पड़ रहा, जिसकी जानकारी समाचार-पत्रों और न्यूज चैनलों में प्रतिदिन प्रसारित हो रही है। इंटरनेट अथवा मोबाइल पर लगातार संदेश आते हैं कि आपकी लॉटरी खुल गई या आपने लाखों डॉलर का इनाम जीता है। लालच में लोग फंस जाते हैं और जमा धन से हाथ धो बैठते हैं।